1958, the goods imported from that source were of the value of about Rs 5 lakhs and from other sources Rs 19 lakhs odd In the next period up to March, 1959, the quantity from other open sources was worth Rs 18 lakhs and from special agreement areas Rs 24 lakhs because there was consistent shortage of these materials

Shri Ansar Harvani: May I know whether the State Trading Corporation asked for any tenders or applications before the appointment of the stockists was made?

Shri Kanungo: No, Sir It is only that the stockists are chosen from those people who have had traditional contacts with those countries

Shri M. Khuda Bukhsh: May I know for how long have they been selling in their own home markets and what is the reputation they enjoy in their home markets?

Shri Kanungo: As I have explained not only do they have their reputation in their home country but all over the world

Shri M. Khuda Bukhsh: There are two other brands

Shri Kanungo: There are new sources Those sources were not known before in India, and because they were special agreements we imported from those countries

सेठ गोविन्द दास जहा तक इस सामान के बाहर से मगाने का प्रश्न है मैं जानना चाहता हू कि क्या यह सामान यहा भी बन रहा है, और अगर यहा नही बन रहा है तो क्या इस का कोई प्रयत्न किया जा रहा है कि यह यहा पर बने ? और अगर प्रयत्न किया जा रहा है तो कितने स्थानो पर और कब तक आशा की जाती है कि हमें इसे बाहर से नही मगाना पडेगा ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) जहा तक फोटोग्राफिक केमिकल्स का ताल्लुक है काफी तादाद में वह हिन्दुस्तान मे बनन लगे हैं । रा फिल्म्स का जहा तक ताल्लुक है, हाउस को पता है कि ईस्ट जर्मनी के साथ हम इस बात की कोशिश कर रहे हैं कि यहा रा फिल्म्म की एक फैक्ट्री बनाई जाय और ऊटाकमान्ड में अगले तीन चार साल में यह चालू हो सके ऐसी कोशिश की जा रही है ।

Shri M Khuda Bukhsh: May I know the reason why all these three firms which have been chosen by the State Trading Corporation have their head office in Bombay?

Shri Kanungo Only two of the firms act as the business associates of the State Trading Corporation One of the three mentioned by the hon Member is not known to us The reason is that they had previous contacts with Germany

Shri M Khuda Bukhsh May I know if the Government are satisfied that the firms chosen by the State Trading Corporation have an effective network for the distribution of the goods?

Shri Kanungo The distribution is controlled As I have said in the main answer they have not the option of distribution They have to deliver the goods to the allottees decided by the Chief Controller

काश्मीर के सदरे-रियासत और प्रधान मत्री की रूस यात्रा

*२०६० **श्री भक्त दर्शन** क्या प्रधान मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या यह सच है कि पिछले दिनो जब रूसी प्रतिनिधि-मण्डल ने काश्मीर की यात्रा की थी, तब उसके नेता ने जम्मू और काश्मीर के प्रधान मत्री को रूस आने का निमत्रण दिया था ,

(ख) यदि हा, तो क्या वह निमत्रण स्वीकार कर लिया गया है ,

(ग) क्या यह भी सच है कि रूस-सरकार के निमत्रण पर जम्मू-काश्मीर के सदरे-रियासत महोदय भी रूस जाने वाले हैं , और

(घ) यदि हां, तो उक्त दोनों महानुभावों की रूस यात्रा के लिये कैसा कार्यक्रम तैयार किया गया है ?

वैदेशिक-कार्य उपमंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) : (क) जी हां।

(ख) जी हां।

(ग) जम्मू और काश्मीर के सदर-ए-रियासत २३ अप्रैल को सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ के लिए रवाना हो गए। यह निमंत्रण उनके लिये कुछ अर्सा हुआ आया था।

(घ) कार्यक्रम बनाने का काम मेजबान देश का होता है।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन् सोवियट प्रतिनिधि-मंडल के नेता ने जब जम्मू और काश्मीर के प्रधान मंत्री को निमंत्रण दिया, तो उस से पहले उन्होंने भारत सरकार को क्या इस की सूचना दी थी ? यदि नहीं, तो क्या उन के लिये यह उचित था कि वह सीधा निमंत्रण उन को दे ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहर लाल नेहरू) : जी हां, उस के पहले उन्होंने भारत सरकार को यह सूचना दी थी। जब वे हिन्दुस्तान आये थे उसी वक्त यह सवाल उठा था।

श्री भक्त दर्शन : मैं यह जानना चाहता हूं कि जम्मू और काश्मीर के प्रधान मंत्री ने अपनी रूस जाने की स्वीकृति से पहले क्या भारत सरकार से इस बात की अनुमति ले ली थी कि उन्हें बाहर जाना चाहिये या नहीं ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : सवाल दो आदमियों के मुताल्लिक था। एक तो मंत्री हैं और दूसरे सदर-ए-रियासत हैं। अभी मैंने जो जवाब दिया वह सदर-ए-रियासत की निस्बत था। उस वक्त यह सवाल उठा था और उस के बाद भी दो तीन दफे उधर से याद दिलाई गई कि उन्होंने बुलाया है सदर-ए-रियासत को और वहां के प्रधान मंत्री को। हमें यह मालूम था। हमेशा हमारे मश्विरे से सब बातें होती थीं।

Shri Hem Barua: May I know whether the Prime Minister of Kashmir who was invited to visit the Soviet Union on a State visit would be at liberty to negotiate loans and financial aids for the State?

Shri Jawaharlal Nehru: No such question arises. I do not understand It is a very normal thing. When Mr Khruschev and Mr Bulganin came here and went to Kashmir, it was then—three or four years ago, I forget exactly when it was—that they invited the Sadar-i-Riyasat and the Prime Minister of Jammu and Kashmir to visit them as their guests This matter has been pending since then and occasional enquiries have been made again and again about it

So far as the Sadar-i-Riyasat is concerned, it was ultimately decided that he should go. Long before this present delegation they fixed up the date and he has gone. When the present Soviet delegation went to Kashmir, they reminded the Prime Minister of this again, and he said he would like to go there. No date has been fixed. We do not know whether he will be able to go. All that he said is that he would like to go

All Weather Road connecting West Pakistan with Gilgit

\+

*2061. **Shri Wodeyar:**
Shrimati Ila Palchoudhuri:

Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that work has started on the construction of an all weather road linking West Pakistan with Gilgit; and

(b) whether this road will increase tension on the border area?